स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी के सपनों का भारत

शिक्षित भारत **विकसित भारत** **समृद्ध भारत**

बेहतर बचपन

प्यारे ग्राम वासियो,

1. श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने आज से 50 वर्ष पूर्व भारत-पाक युद्ध 1965 के दौरान एक स्वस्थ नारा दिया था "जय जवान, जय किसान । माननीय भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने देश के बहुँमुखी विकास की इच्छाशक्ति के साथ इसी नारे को सुसज्जित किया " जय जवान - जय किसान - जय विज्ञान" ।

2. देश के जवान व किसान दोनों ही ग्रामीण पृष्ठभूमि से सम्बन्ध रखते हैं । देश की आज़ादी के 70 वर्षों में अगर कोई सबसे कमजोर व असहाय है तो, वह है ग्रामीण जीवन ।

3. स्व0 श्री चौ0 चरण सिंह जी ने 80 के दशक में एक सपना दिखाया था कि देश की तरक्की व खुशहाली का रास्ता गाँव की गलियों से गुजरता है ।

4. आज 1965 भारत-पाक युद्ध के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के अवसर पर देश के जाँबाज़ सैनिकों व उन की पत्नियों ने सबसे कमजोर ग्रामीण बचपन को सँवारने का संकल्प लिया है -" बेहतर बचपन" नामक संस्था का निर्माण कर ।

5. जैसे मकान की मज़बूती उसकी नींव पर होती है अत: मानव की मजबूती उस के बेहतर बचपन पर निर्धारित होती है ।

6. हमारा उद्देश्य :-

   (क) ग्रामीण बचपन की सबसे कमजोर कड़ी अंग्रेजी, गणित व विज्ञान में 03 से 05 वर्ष तक के बच्चों को खेल-खेल में मजबूती प्रदान करना ।

   (ख) बेहतर वैज्ञानिक सोच को बच्चों की खेल प्रतियोगिता के माध्यम से निखारना ।

   (ग) बेहतर स्वास्थ्य के प्रति प्राणायम व योग शिक्षा विकसित करना ।

   (घ) कुपोषण के प्रति ग्रामीण बच्चों में जागरूकता पैदा करना ।

   (ड) स्वस्थ ग्रामीण जीवन में "बेलेंस डाइट" के महत्व पर विशेष जोर ।

   (च) आध्यात्मिकता व एकाग्रता पर आधारित "जीवन जीने की कला" का विकास ।

7. बेहतर ग्रामीण बचपन सँवारने का संकल्प, दिल्ली की प्रसिद्ध शिक्षाविद रूपा जी (जोकि ग्रामीण उत्थान की सोच रखने वाले कर्मठ सैनिक की पत्नी हैं) व मानवीय शिक्षाविद श्री अंशमाली जी के सहयोग से आप सबके परिचित सेवा-भावी कप्तान लेखराज सिंह ने लिया है ।

8. आइये - श्री शास्त्री जी, श्री वाजपेयी जी व श्री चरण सिंह जी के सपनों के भारत निर्माण में "बेहतर ग्रामीण बचपन" संस्था का सहयोग कर सैनिकों व उन के परिवारों के संकल्प को साकार करावें ।